हिंदी साहित्य विभाग

स्नातक पाठ्यक्रम संरचना : हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

प्रथम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU111	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य	04	
	MSHU112	हिंदी कहानी	02	

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

द्वितीय सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU121	आधुनिक हिंदी काव्य	04	60
	MSHU122	हिंदी उपन्यास	02	60

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

तृतीय सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU231	हिंदी साहित्य का इतिहास	04	60
	MSHU232	कथेतर गद्य	02	60

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

चतुर्थ सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU241	हिंदी नाटक	04	60
	MSHU242	प्रयोजनमूलक हिंदी	02	60

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

पंचम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU351	भारतीय काव्यशास्त्र	04	60
	MSHU352	हिंदी निबंध	02	60

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

षष्ठ सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU361	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	60
	MSHU362	हिंदी आलोचना	02	60

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

सप्तम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU471	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	04	60
	MSHU472	भारतीय साहित्य	04	60
	MSHU473	हिंदी पत्रकारिता	04	60
	MSHU474	अस्मितावादी साहित्य	04	60
ऐच्छिक	MSHU071	कबीर अथवा प्रेमचंद	04	60
		कुल	20	

स्नातक कार्यक्रम (पाठ्यचर्या)

अष्टम सेमेस्टर

क्रेडिट - 20

पाठ्यचर्या प्रकार	विषय कूट	पाठ्यचर्या	क्रेडिट	संपर्क कक्षाएँ
मूल	MSHU481	विश्व साहित्य	04	60
	MSHU482	लोक साहित्य	04	60
	MSHU483	शोध प्रविधि	04	60
	MSHU484	परियोजना कार्य	04	60
ऐच्छिक	MSHU081	विशिष्ट रचनाकार: तुलसी अथवा भारतेंदु	04	60
		कुल	20	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template of the Course

1. **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक**
2. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course) :**प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य**
3. **पाठ्यचर्या का कोड**(Code of the Course) :**MSHU111**
4. **क्रेडिट (Credit) : 4**
5. **सेमेस्टर (Semester) : प्रथम**
6. **पाठ्यचर्या विवरण(**Description of Course) **:**प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि को समझाते हुए विद्यार्थीको इसके मूल पाठ के मर्म से परिचय कराना है। इसके साथ ही प्राचीन एवं मध्यकालीन परिवेश में कविता की बनावट और विषय-वस्तु में महत्वपूर्ण परिवर्तनों से भी परिचित हो सकेगा।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी में कविता के प्रति रुचि उत्पन्न कराने के साथ कविता के वाचन का कौशल विकसित किया जा सकेगा.
कुल क्रेडिटघंटे	60

7. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)**

ज्ञान सम्बंधी	• इस पाठ्यचर्या में चयनित कविताओं से विद्यार्थी कविता की उस महान परंपरा से परिचित होंगे जो न केवल प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता को अपितु उत्तरवर्तीहिंदी कविता को समृद्ध कर रही थी। • अपभ्रंश से लेकर देशज शब्दावलियाँ किन रूपों में कविता की समृद्धि को सुनिश्चित करते हुए उसे लोक तक ले जा रही थी, विद्यार्थी इससे भी अवगत होंगे। • शिल्प की दृष्टि से प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य किन अर्थो में महत्वपूर्णहै, इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी इसकी समझ भी विकसित करेंगे।
कौशल / दक्षता सम्बंधी	• प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविताके अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी कविता के प्रस्थान को समझते हुए कविता के वाचन का कौशल अर्जित कर सकेंगे।
रोजगार सम्बंधी	• इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता** **1.** अमीर खुसरो : 05 पहेलियाँ (11,23,25,31,48) 05 मुकरियाँ (145, 162, 165,	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	173,215) **2.** कबीर: 15 साखी गुरुदेव कौ अंग – (1,15) सुमिरण कौ अंग – (04,10) बिरह कौ अंग -(11,22) निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग –(05,14) चितावणी को अंग – (12,31,39) मन कौ अंग – 21 सुषिम मारग कौ अंग (3,8) कथणी बिना करणी कौ अंग- 04					
मॉड्यूल-2	**मध्यकालीन हिंदी कविता** **1.** जायसी सिंहलद्वीप वर्णन खंड **2.** सूरदास विनय – 05 पद (1,2,18,24,25) वात्सल्य- 05 पद(7,18,19,23,26)	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**मध्यकालीन हिंदी कविता** **1.** तुलसीदास कवितावली : बालकांड-10 छंद (1,2,3,4,5,6,7,9,14,17) **2.** मीराबाई08 पद – (14,20,45,61,80,102,160,175	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	**मध्यकालीन हिंदी कविता** 1. बिहारी : 15 दोहे (48,60,69,91,103,110,148,171, 228,251,263,407,438,588,683) **2.** घनानंद कवित्त (प्रथम शतक)	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईजी पाठशाला.पी., सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख इत्यादि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ: (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1.खुसरो की हिंदी कविता 2. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथवाली, वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा 3.श्यामसुंदर दास, जायसी ग्रंथवाली, वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा 4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, भ्रमरगीत सार , वाराणसी, नागरीप्रचारणी सभा 5. तुलसीदास, कवितावली , गोरखपुर, गीता प्रेस 6. बिहारी 7.घनानंद 8. मीराबाई
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. हजारीप्रसाद द्विवेदी, कबीर/नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 2. रामकुमार वर्मा,कबीर का रहस्यवाद/इलाहाबाद, साहित्य भवन प्रा.लि 3.सं. विजयेन्द्र स्नातक, कबीर/नयी दिल्ली/राधाकृष्ण प्रकाशन 4. रामचन्द्र शुक्ल, गोस्वामी तुलसीदास/काशी/नागरी प्रचारिणी सभा 5. किशोरीलाल, घनानन्दः काव्य और आलोचना/ इलाहाबाद/साहित्य भवन, प्रा.लि. 6. विजयदेवनारायण साही, जायसी/इलाहाबाद/हिन्दुस्तानी एकेडेमी 7. रामपूजन तिवारी, जायसी/नयी दिल्ली/राधाकृष्ण प्रकाशन 8. उदयभानु सिंह, तुलसी काव्य मीमांसा/नयी दिल्ली/राधाकृष्ण प्रकाशन 9. विष्णुकान्त शास्त्री, तुलसी के हिय हेरि/इलाहाबाद/लोकभारती 10. वासुदेवशरण अग्रवाल/, पद्मावत/झाँसी साहित्य सदन ;वि. लोकभारती 11. विश्वनाथप्रसाद मिश्र/ बिहारी की वाग्विभूति/ वाराणसी 12. बच्चन सिंह,बिहारीः नया मूल्यांकन/ इलाहाबाद/लोक भारती 13. मैनेजर पाण्डेय, भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य/नयी दिल्ली/वाणी प्रकाशन 14. नन्ददुलारे वाजपेयी , महाकवि सूरदास/ नयी दिल्ली/राजकमल प्रकाशल

		15. विश्वनाथ त्रिपाठी,मीरां का काव्य/ नयी दिल्ली/वाणी प्रकाशन 16. हजारीप्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य/ नयी दिल्ली/राजकमल प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवंयू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08+4=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	सृजनशीलता का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

1. **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक**
2. **पाठ्यचर्याका नाम**(Name of the Course)**:हिंदी कहानी**
3. **पाठ्यचर्याकाकोड**(Code of the Course): **MSHU113**
4. **क्रेडिट(Credit): 4**
5. **सेमेस्टर(Semester): प्रथम**

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यहिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा को संपूर्णता में जानना-समझना है। चयनित कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के यथार्थ व यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थी हिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होंगे। इसके साथ ही हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ और भारतीय संस्कृति के वैविध्य को भी गहनता से समझ पाएंगे।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	हिंदी कथा साहित्य की संवेदना और उसके शिल्प पक्ष को जानने-समझने से विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ समृद्ध होगी। इससे उनका कौशल निखरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता में भी वृद्धि होगी।
रोजगार संबधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास** ● प्रेमचंद पूर्व कहानी ● प्रेमचंदोत्तर कहानी ● नई कहानी ● समकालीन कहानी	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-2	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था ● प्रेमचंद : पंच परमेश्वर ● जयशंकर प्रसाद: पुरस्कार ● जैनेंद्र : पाजेब	**12**	02	01	**15**	25%

माड्यूल-3	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम ● अज्ञेय: रोज ● राजेंद्र यादव : भय ● कृष्णा सोबती : बादलों के घेरे	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-4	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● भीष्म साहनी : चीफ की दावत ● उषा प्रियम्वदा: वापसी ● अमरकान्त: दोफर का भोजन ● ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये	**12**	02	01	**15**	25%
योग		**48**	**08**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि,संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख,वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

1. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**चयनित कहानियाँ** ● चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था ● प्रेमचंद : पंच परमेश्वर ● प्रेमचंद : बडे भाई साहब ● जयशंकर प्रसाद : पुरस्कार ● जैनेंद्र : पाजेब ● फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम ● राजेंद्र यादव : भय ● भीष्म साहनी : चीफ की दावत ● उषा प्रियम्वदा: वापसी ● अमरकान्त: दोफर का भोजन ● ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह, विजय मोहन सिंह. (1983). कथा समय. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. मधुरेश, (1999). नई कहानी : पुनर्विचार. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 4. मधुरेश. (2018). हिन्दी कहानी का विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 5. सिंह, नामवर. (1982). कहानी नई कहानी. नई दिल्ली : लोकभारती प्रकाशन, 6. यादव, राजेंद्र. (2000). नई कहानी : संवेदना और स्वरूप. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 7. धनंजय, (सं), (1970). समकालीन कहानी, दिशा और दृष्टि. इलाहाबाद: अभिव्यक्ति प्रकाशन 8. सिंह, विजय मोहन. (1983). आज की हिन्दी कहानी. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन, 9. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1988). कुछ कहानियाँ : कुछ विचार. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08+4=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	सृजनशीलता का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	**60**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा
Template for the Course

6. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

7. पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course)**:हिंदी कहानी**

8. पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): **MSHU113**

9. क्रेडिट(Credit): 4

10. सेमेस्टर(Semester): प्रथम

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यहिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा को संपूर्णता में जानना-समझना है। चयनित कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के यथार्थ व यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थी हिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होंगे। इसके साथ ही हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ और भारतीय संस्कृति के वैविध्य को भी गहनता से समझ पाएंगे।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	हिंदी कथा साहित्य की संवेदना और उसके शिल्प पक्ष को जानने-समझने से विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ समृद्ध होगी। इससे उनका कौशल निखरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता में भी वृद्धि होगी।
रोजगार संबधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**हिंदी कहानी का उद्भव एवं विकास** ● प्रेमचंद पूर्व कहानी ● प्रेमचंदोत्तर कहानी ● नई कहानी ● समकालीन कहानी	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-2	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था ● प्रेमचंद : पंच परमेश्वर ● जयशंकर प्रसाद: पुरस्कार ● जैनेंद्र : पाजेब	**12**	02	01	**15**	25%

माड्यूल-3	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम ● अज्ञेय: रोज ● राजेंद्र यादव : भय ● कृष्णा सोबती : बादलों के घेरे	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-4	**चयनित कहानियाँ (व्याख्या एवं विश्लेषण)** ● भीष्म साहनी : चीफ की दावत ● उषा प्रियम्वदा: वापसी ● अमरकान्त: दोफर का भोजन ● ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये	**12**	02	01	**15**	25%
योग		**48**	**08**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि,संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख,वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

2. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**चयनित कहानियाँ** ● चंद्रधर शर्मा गुलेरी : उसने कहा था ● प्रेमचंद : पंच परमेश्वर ● प्रेमचंद : बडे भाई साहब ● जयशंकर प्रसाद : पुरस्कार ● जैनेंद्र : पाजेब ● फणीश्वरनाथ रेणु : तीसरी कसम ● राजेंद्र यादव : भय ● भीष्म साहनी : चीफ की दावत ● उषा प्रियम्वदा: वापसी ● अमरकान्त: दोफर का भोजन ● ओमप्रकाश वाल्मीकि : घुसपैठिये
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह, विजय मोहन सिंह. (1983). कथा समय. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. मधुरेश, (1999). नई कहानी : पुनर्विचार. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 4. मधुरेश. (2018). हिन्दी कहानी का विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 5. सिंह, नामवर. (1982). कहानी नई कहानी. नई दिल्ली : लोकभारती प्रकाशन, 6. यादव, राजेंद्र. (2000). नई कहानी : संवेदना और स्वरूप. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 7. धनंजय, (सं), (1970). समकालीन कहानी, दिशा और दृष्टि. इलाहाबाद: अभिव्यक्ति प्रकाशन 8. सिंह, विजय मोहन. (1983). आज की हिन्दी कहानी. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन, 9. त्रिपाठी, विश्वनाथ. (1988). कुछ कहानियाँ : कुछ विचार. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08+04=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): आधुनिक हिंदी काव्य

3.पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): MSHU121

4.क्रेडिट(Credit): 04

5. सेमेस्टर(Semester):द्वितीय

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course)**:**हिंदी कविता की परंपरा की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जानकारी देना।आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों और उनकी विशिष्ट कविताओं से परिचित कराना।कविताओं का विशलेषणात्मक और आलोचनात्मक संदर्भ समझाने के यत्न के साथ हिंदी कविता की परंपरा के सातत्य को स्पष्ट करना।

7. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs ((Course Learning Outcomes)):

ज्ञानसम्बन्धी	प्रस्तुत पाठयचर्या के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की भावगत और कलागत समृद्धि से परिचय प्राप्त कर पाएंगे ।
कौशल/दक्षतासम्बन्धी	कविताओं के अध्ययनति की जीवटता को समझ पाएंगेाषण के द्वारा भारतीय समाज और संस्कृविश्ले-
रोजगारसंबधी	कविता के अध्यापन और काव्य लेखन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर मिल सकेंगे. ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• आधुनिक हिंदी कविता की पृष्ठभूमि • भारतेंदु हरिश्चंद्र व्यक्तित्व एवं साहित्यिक अवदान • भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनकी कविता निज भाषा उन्नति अहै- व्याख्या एवं विश्लेषण • मैथिलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं साहित्यिक अवदान • मैथिलीशरण गुप्त और उनकी कविता • 'नर हो न निराश करो मन को' व्याख्या एवं विश्लेषण	**12**	**02**	**01**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	• छायावादी कविता का वैशिष्ट्य • जयशंकर प्रसाद और उनकी कविता 'अरुण यह मधुमय देश हामारा' व्याख्या एवं विश्लेषण • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और उनकी कविता 'जागो फिर एक बार' व्याख्या एवं विश्लेषण • सुमित्रानंदन पंत और उनकी कविता 'प्रथम रश्मि' व्याख्या एवं विश्लेषण	**12**	**02**	**01**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	• महादेवी वर्मा और उनकी कविता 'जाग तुझको दूर जाना' व्याख्या एवं विश्लेषण • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय का साहित्यिक अवदान और उनकी कविता 'नदी के द्वीप' व्याख्या एवं विश्लेषण • प्रगतिवादी कवि नागार्जुन और उनकी कविता 'अकाल और उसके बाद' व्याख्या एवं विश्लेषण	**12**	**02**	**01**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	• गांधीवादी कवि भवानी प्रसाद मिश्र और उनकी कविता 'गीत फरोश'व्याख्या एवं विश्लेषण • गजानन माधव मुक्तिबोध :	**12**	**02**	**01**	**15**	**25%**

	व्यक्तित्व और कृतित्व 'भूल गलती' व्याख्या एवं विश्लेषण • रघुवीर सहाय और उनकी कविता 'भाषा का युद्ध' व्याख्या एवं विश्लेषण					
योग		**48**	**08**	**02**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, संवाद प्रणाली का प्रयोग, आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान(Class- Lecture), समूह चर्चा (Group-Discussion), संवाद(Dialogue)
तकनीक	दृश्यआई (यथावसर) मों का उपयोग माध्यश्रव्य–सीटीआधारितशिक्षण , श्यामपट्ट का उपयोग ,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण।
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

3. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार पाठ्य ग्रंथ	1. भारतेन्दु समग्र, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी. 2. जयशंकर प्रसाद , चन्द्रगुप्त , नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राग-विराग , नयी दिल्ली, राजकमल

		प्रकाशन 4. महादेवी वर्मा यामा , नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 5. सुमित्रानंदन पंत, रश्मि बंध , नयी दिल्ली, भारतीय ज्ञानपीठ 6. अज्ञेय, रचनावली, भारतीय ज्ञानपीठ. 7. नागार्जुन, रचनावली, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	शर्मा, सुरेश, रघुवीर सहाय का कवि, कर्म, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद त्रिपाठी, चंद्रकला, अज्ञेय और नयी कविता, संजय प्रकाशन, वाराणसी सिंह, नामवर, कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3	ई-संसाधन	ई.पी.जी.पाठशाला,hindisamay.com,kavitakosh.org, bharatdiscovery.org,epustakaly.com
4	अन्य	

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	16+4=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	सृजनशीलता का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for theCourse

1.कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्याका नाम(Nameof the Course)**:**हिंदी उपन्यास

3.पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): **MSHU122**

4.क्रेडिट(Credit): 4

5.सेमेस्टर(Semester):द्वितीय

6.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्यहिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा को संपूर्णता में जानना-समझना है। चयनित कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के यथार्थ व यहाँ की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होगा।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थी हिंदी कहानी और उपन्यास साहित्य की विकास यात्रा से परिचित होंगे। इसके साथ ही हिंदी कथा साहित्य में चित्रित सामाजिक यथार्थ और भारतीय संस्कृति के वैविध्य को भी गहनता से समझ पाएंगे।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	हिंदी कथा साहित्य की संवेदना और उसके शिल्प पक्ष को जानने-समझने से विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से भारतीय समाज, राजनीति एवं संस्कृति के प्रति समझ समृद्ध होगी। इससे उनका कौशल निखरेगा तथा उनकी सृजनात्मक क्षमता में भी वृद्धि होगी।
रोजगार संबधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास** • प्रेमचंद पूर्व उपन्यास • प्रेमचंदोत्तर उपन्यास • साठोत्तरी उपन्यास • समकालीन उपन्यास	**12**	02	01	**12**	25%
माड्यूल-2	प्रेमचंद : गोदान • प्रेमचंद के उपन्यासों का परिचय • कथावस्तु • मूल संवेदना • देशकाल एवं वातावरण • प्रासंगिकता	**12**	02	01	**12**	25%
माड्यूल-3	जैनेन्द्र कुमार : त्यागपत्र	**12**	02	01	**12**	25%

	• जैनेन्द्र कुमार के उपन्यासों का परिचय • कथावस्तु • मूल संवेदना • देशकाल एवं वातावरण • प्रासंगिकता					
माड्यूल-4	अमृतलाल नागर : मानस का हंस • अमृतलाल नागर के उपन्यासों का परिचय • कथावस्तु • मूल संवेदना • देशकाल एवं वातावरण • प्रासंगिकता	**12**	02	01	**12**	25%
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि,संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख,वीडियो माध्यम/लिंक आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

4. ✓**-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**चयनित उपन्यास** ● प्रेमचंद : गोदान ● जैनेन्द्र कुमार : त्यागपत्र ● अमृतलाल नागर : मानस का हंस
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह, विजय मोहन सिंह. (1983). कथा समय. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. मधुरेश, (1998). हिंदी उपन्यास का विकास. इलाहाबाद : सुमित प्रकाशन 11. राय, गोपाल. (2006). उपन्यास की संरचना. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 12. शर्मा, रामविलास. (1989). प्रेमचंद और उनका युग. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन 13. श्रीवास्तव, परमानंद. (1976). उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template of the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिट घंटे	60

11. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

12. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : हिंदी साहित्य का इतिहास

13. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSHU231

14. क्रेडिट (Credit) : 04

15. सेमेस्टर (Semester) : तृतीय

16. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थी को हिंदी साहित्य की परम्परा के साथ प्रमुख रचनाकारों के महत्त्व और उनके साहित्यिक योगदान की जानकारी देना है।

17. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	हिंदी साहित्य के इतिहास और परम्परा से विद्यार्थी परिचित होगा। विद्यार्थी के ज्ञान का विस्तार होगा और साहित्य की समझ बेहतर होगी।
कौशल / दक्षता संबंधी	साहित्यिक विवेक का विकास
रोजगार संबंधी	साहित्य लेखन, अध्यापन तथा अन्य रोजगार के क्षेत्र में सहायता मिलेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		*** व्याख्यान**	*** ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आदिकाल सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियाँ सिद्ध साहित्य नाथ साहित्य जैन साहित्य रासो काव्य लौकिक साहित्य	**12**	**02**	1	15	25%
मॉड्यूल-2	भक्ति काल सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियाँ संत काव्य सूफी काव्य राम काव्य कृष्ण काव्य	**12**	**02**	1	15	25%
मॉड्यूल-3	रीतिकाल	12	**02**	1	15	25%

	सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियाँ रीतिबद्ध काव्यधारा रीतिसिद्ध काव्यधारा रीतिमुक्त काव्यधारा					
मॉड्यूल-4	आधुनिक काल हिंदी नवजागरण भारतेंदु युग द्विवेदी युग छायावाद प्रगतिवाद प्रयोगवाद नई कविता समकालीन कविता हिंदी गद्य का विकास	12	2	1	15	25%
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईजी पाठशाला.पी., सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कॉपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

5. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नोएडा, मयूर पेपर बैक्स. द्विवेदी, हजारीप्रसाद,हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, वाराणसी, नागरी प्रचारणी सभा. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन. वर्मा, रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, इलाहाबाद, रामनारायण लाल प्रकाशन.
2	ई-संसाधन	**1.** www.wikipedia.org **2.** www.egyankosh.ac.in **3.** www.youtube.com **4.** https://epgp.inflibnet.ac.in/
3	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08+4=12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	सृजनशीलता का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for the Course

18. **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक**
19. **पाठ्यचर्या का नाम**(Name of the Course)**: कथेतर गद्य**
20. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course): **MSHU232**
21. **क्रेडिट (Credit): 02**
22. **सेमेस्टर (Semester): तृतीय**

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य कथेतर साहित्य के अंतर्गत आने वाली सभी विधाओं की जानकारी हासिल करना और उन विधाओं में लिखी हुए रचनाओं के माध्यम से मानव चरित्र, समाज और देश की संवेदना को जानना-समझना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी कथेतर साहित्य की सभी विधाओं की संवेदना और उसके शिल्प को गहराई से समझ पाएंगे। इसके साथ ही वे हिंदी कथेतर साहित्य में चित्रित सामाजिक एवं मानवीय पहलुओं से भी परिचित हो पाएंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी कथेतर साहित्य के सृजन वैविध्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय जीवन मूल्यों, पर्यावरण एवं सामाजिकता के प्रति सजगता आएगी। इससे वे देश के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा भी निखरेगी।
रोज़गार संबंधी	अकादमिक जगत के अलावा फिल्म व टेलीविज़न में कथा, पटकथा एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर मिलेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**रेखाचित्र एवं संस्मरण** ● परिभाषा, स्वरूप एवं वैशिष्ट्य ● गेहूँ बनाम गुलाब-रामवृक्ष बेनी पुरी ● संस्मरण: दद्दा (पथ के साथी) - महादेवी वर्मा	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-2	**जीवनी एवं आत्मकथा** ● परिभाषा स्वरूप एवं वैशिष्ट्य ● प्रेमचंद घर में –शिवरानी देवी (चयनित अंश) ● अपनी खबर – पाण्डेय बेचन शर्मा	**12**	02	01	**15**	25%

	उग्र (चयनित अंश)					
माड्यूल-3	**यात्रा वृत्तांत एवं रिपोर्ताज** ● परिभाषा स्वरूप एवं वैशिष्ट्य ● भोर का सपना - रामदरश मिश्र ● रिपोर्ताज : धनजल - फणीश्वरनाथ रेणु	**12**	02	01	**15**	25%
माड्यूल-4	**कथेतर साहित्य की अन्य विधाओं का परिचय** ● परिभाषा स्वरूप एवं वैशिष्ट्य	**12**	02	01	**15**	25%
योग		**48**	**08**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि, संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, वीडियो माध्यम/लिंक आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

6. ✓**-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	01.तिवारी, (डॉ) रामचंद्र. (2014). हिंदी गद्य-साहित्य. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन 02.चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1996). हिन्दी का गद्य : विन्यास और विकास. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 03.प्रकाश, अरुण. (2012). गद्य की पहचान. नई दिल्ली : अंतिका प्रकाशन 04.तिवारी, विश्व मोहन. (2013). हिंदी का यात्रा-साहित्य : एक विहंगम दृष्टि. दिल्ली : आलेख प्रकाशन 05.माथुर, डॉ. सुरेन्द्र. (1962). यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास. दिल्ली : साहित्य प्रकाशन 06.शर्मा, मुरारीलाल. (2003). हिन्दी यात्रा-साहित्य : स्वरूप और विकास. नई दिल्ली : क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी 07.सिंह, कृपाशंकर. (1964). हिन्दी रेखाचित्र : उद्भव और विकास. आगरा : विनोद पुस्तक भंडार 08.शर्मा, डॉ. मक्खनलाल. हिन्दी रेखाचित्र : सिद्धान्त और विकास. आगरा : शब्द और शब्द 09.खन्ना, डॉ. शांति. (1973). आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य. दिल्ली : सन्मार्ग प्रकाशन 10.दास, डॉ. भगवान. (1978). हिन्दी का जीवनी साहित्य : सिद्धान्त और अध्ययन. इलाहाबाद : मोतीलाल नेहरू 11.सिंह, कमलेश. (1989). हिन्दी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 12.भाटिया, कैलाश चन्द्र. (1996). साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन 13.विद्यालंकार, डॉ. विश्वबंधु शास्त्री. (1984). हिन्दी का आत्मकथा साहित्य. दिल्ली : राधा प्रकाशन 14.माजदा असद (सं.), (1991). गद्य की नई विधाओं का विकास. दिल्ली : ग्रंथ अकादमी. 15.छाबड़ा, मनोज. (2019). हिन्दी डायरी अर्थ उद्भव और विकास. जयपुर : बोधि प्रकाशन 16.तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. (1968). छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन 17.दिनकर, रामधारी सिंह. (2019). संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 18.वर्मा, महादेवी. (2002). अतीत के चलचित्र. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी.पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08+02=12
व्यावहारिक/प्रयोगशालास्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढांचा

Template for theCourse

23. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

24. पाठ्यचर्याका नाम(Nameof the Course) :**हिंदी नाटक**

25. पाठ्यचर्या का कोड(Codeof the MA Course) :**MSHU122**

26. क्रेडिट(Credit) : **4**

27. सेमेस्टर(Semester) :**द्वितीय**

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या से विद्यार्थी हिन्दी नाट्य परंपरा का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। नाटक के स्वरूपगत वैशिष्ट्य से परिचित होंगे और हिंदी नाट्य परंपरा के काल क्रमिक परिवर्तनों को समझ सकेंगे।

7. अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान सम्बन्धी	नाटक एवं रंग मंचीय ज्ञान में अभिवृद्धि होगी।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	विद्यार्थी हिंदी नाट्य साहित्य के अध्ययन के उपरांत नाट्य विश्लेषण एवं अभिनय की क्षमता विकसित कर सकेगा।
रोजगार संबधी	भारतीय रंग मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए अध्यापन के साथ नाट्य लेखन एवं पटकथा लेखन में भी रोजगार के अवसर तलाश सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**हिन्दी नाट्य परंपरा** • हिन्दी नाटक उद्भव और विकास • हिन्दी रंग मंच का उद्भव और विकास • नाट्य के भेद • नाटक के तत्व	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**अंधेर नगरी** • प्रहसन का विश्लेषण • अंधेर नगरी समसामयिक परिप्रेक्ष्य • अंधेर नागरी की भाषा • अंधेरनगरी का पाठ विश्लेषण	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**ध्रुवस्वामिनी** • प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	• ध्रुवस्वामिनी का आधुनिक संदर्भ • ध्रुवस्वामिनी की रंगमंचीयता • ध्रुवस्वामिनी की भाषा • ध्रुवस्वामिनी का पाठ विश्लेषण					
मॉड्यूल-4	**आधे अधूरे** • आधे अधूरे की कथा वस्तु का विवेचन • आधे अधूरे के पात्रों का मनोविश्लेषण • आधे अधूरे की रंगमंचीयता • आषाढ़ का एक दिन की भाषा • आधे अधूरे का पाठ विश्लेषण	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:(Approaches, Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई जी.पी.पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि दृश्य श्रव्य माध्यम

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

7. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीयपत्र-#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	अंधेर नगरी, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद. ध्रुवस्वामिनी, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद. **आधे अधूरे,** लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. द्विवेदी,हजारी प्रसाद. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन, 2. बैरंडर मैथ्यूज़ नाटक साहित्य का अध्ययन/ (अनु. इन्दुजा अवस्थी) नयी दिल्ली आत्माराम एंड संस, 3. द्विवेदी, रेवाप्रसाद नाट्यशास्त्र/ /भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला 4. कुमार, सिद्धनाथ. प्रसाद के नाटक/ /अनुपम प्रकाशन, पटना 5. दीक्षित सुरेन्द्रनाथ, भरत एवं भारतीय नाट्य कला, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 6. बारलिंगे, सुरेन्द्र. भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नई परिभाषा/नयी दिल्ली,भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली 7. जैन, नेमिचन्द्र. रंगदर्शन,नयी दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन 8. जैन, नेमिचन्द्र. रंग परम्परा, नयी दिल्ली, वाणी प्रकाशन. 9 रस्तोगी, गिरीश. रंगभाषा, नयी दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, 10. कीथ, ए.बी. संस्कृत नाटक, नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, 11.आचार्य विश्वेश्वर हिन्दी अभिनव भारती,नयी दिल्ली,हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दि.वि.वि. 12. अवस्थी,सुरेश, हे सामाजिक, नयी दिल्ली, राजकमल प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण
Course Content

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): प्रयोजनमूलक हिंदी

3.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): MSHU-142

4.क्रेडिट (Credit): 4

5.सेमेस्टर (Semester): 4 (अनिवार्य)

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी के महत्त्व को बताने के साथ सरकारी क्षेत्रों में प्रयोग के तरीके से परिचित करना है.

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी हिंदी की संवैधानिक स्थिति और व्यवहारिक उपयोगिता से परिचित होगा.
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी भाषा की आवश्यकता और उसका राष्ट्रीय महत्व जान सकेगा.
रोजगार संबंधी	रोजगार के विविध क्षेत्रों में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी तथा स्वा-रोजगार प्राप्त हो सकेगा.

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		* व्याख्यान	* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	* संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**हिंदी भाषा के विविध पक्ष** ● हिंदी की संवैधानिक स्थिति ● राजभाषा ● राष्ट्रभाषा ● संपर्क भाषा	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-2	**कार्यालयी हिंदी** ● प्रारूपण ● पत्र-लेखन ● पल्लवन ● टिप्पण ● प्रतिवेदन	12	02	01	15	25%

	• कार्यसूची • कार्यवृत्त • कार्यालयादेश • परिपत्र • अधिसूचना • ज्ञापन					
मॉड्यूल-3	**पारिभाषिक शब्दावली** • स्वरूप और महत्त्व • निर्माण के सिद्धांत	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-4	**हिंदी भाषा और मीडिया** • आकाशवाणी • दूरदर्शन • चलचित्र • न्यू मीडिया (फेसबुक ट्विटर वाट्सएप यू-ट्यूब)	12	02	01	15	25 %
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

@ प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल प्रारूप	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	समस्या निराकरण कौशल	आई.सी.टी. कौसल	संचार कौसल

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	पाण्डेय, कैलाश नाथ. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका, इलाहाबाद , लोकभारती प्रकाशन दीक्षित, सूर्यप्रसाद. प्रयोजनी हिंदी, लखनऊ, भारत बुक सेंटर सोनटक्के, माधव. प्रयोजनमूलक हिंदी, इलाहाबाद , लोकभारती प्रकाशन अली, मुस्ताक, प्रयोजन मूलक हिंदी, इलाहाबाद , साहित्य संगम प्रकाशन पाण्डेय, कैलाश नाथ, हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप , इलाहाबाद , साहित्य भवन गोस्वामी, कृष्ण कुमार. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी , दिल्ली, कलिंगा

		प्रकाशन पाण्डेय, कैलाश नाथ, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी , दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन पाण्डेय लक्ष्मीकांत, प्रयोजनमूलक हिंदी, कानपुर, आशीष प्रकाशन दिनेश, रामप्रकाश गुप्त. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन गुप्ता, सुशीला (सं.), प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन, इलाहाबाद, जय भारती प्रकाशन
2	ई-संसाधन	1. www.wikipedia.org 2. www.egyankosh.ac.in 3. www.unishivaji.ac.in 4. www.archive.mu.ac.in 5. www.youtube.com
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08+4=12**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) :** भारतीय काव्यशास्त्र
2. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) :** MSHU151
3. **क्रेडिट (Credit) : 4**
4. **4. सेमेस्टर (Semester) :** पंचम
5. **पाठ्यचर्या विवरण (**Description of Course)**:** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र में रुचि जाग्रत करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा।
रोजगार संबंधी	अध्यापन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर सुलभ हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	काव्य हेतु काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण कवि समय काव्य रूढ़ियाँ	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-2	काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों का सामान्य परिचय- रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद-श्रंगार, हास्य ,करुण, रौद्र, वीर, भयानक वीभत्स, अद्भुत, शांत, वात्सल्य,	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-3	अलंकार की परिभाषा एवं भेद, प्रमुख अलंकार –अनुप्रास, श्लेष यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विरोधाभास, अतिशयोक्ति छंद-परिभाषा: वर्णिक एवं मात्रिक छंद, दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया कवित्त	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-4	शब्द शक्तियाँ अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, काव्य रूप –प्रबंधकाव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य,चंपू, मुक्तक, गीति काव्य, प्रगीत	**12**	02	**1**	15	**25%**
योग		**40**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी आधारित .शिक्षण,शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईपाठशाला .जी.पी., सहायक सामाग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

9. ✓**-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ: (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विश्वेश्वर आचार्य, काव्यप्रकाश,ज्ञानमण्डल, वाराणसी शर्मा, देवेन्द्रनाथ, काव्यालंकार, बिहार पटना, राष्ट्रभाषा परिषद.
2	संदर्भ-ग्रंथ	त्रिपाठी, राममूर्ति, भारतीय काव्यशात्र विमर्श, दिल्ली, वाणी प्रकाशन सिंह, उदयभानु, सं. भारतीय काव्यशात्र नई दिल्ली, राजेश प्रकाशन त्रिपाठी, राधाबल्लभ, भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा , वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन वीडियो एवं व्याख्यान आदि।

4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

पाठ्यचर्या विवरण

Course Content

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): हिंदी निबंध

3.पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): MSHU-143

4.क्रेडिट (Credit): 4

5.सेमेस्टर (Semester): 4

6. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी के महत्त्व को बताने के साथ सरकारी क्षेत्रों में प्रयोग के तरीके से परिचित करना है.

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी हिंदी निबंध के स्वरूप एवं उसकी परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी निबंधों के माध्यम से भारतीय समाज व संस्कृति की सम्यक समझ विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	रोजगार के विविध क्षेत्रों में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी तथा स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		* व्याख्यान	* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	* संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**निबंध : स्वरूप एवं प्रकार** ● परिभाषा ● प्रकार ● विशेषताएँ	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-2	**हिंदी निबंध की विकास यात्रा** ● शुक्ल पूर्व युग ● शुक्ल युग ● शुक्लोत्तर युग	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-3	**निबंध एवं निबंधकार-1** ● साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है- बालकृष्ण भट्ट ● कवि कर्तव्य-महावीर प्रसाद द्विवेदी	12	02	01	15	25%

	• मजदूरी और प्रेम- सरदार पूर्ण सिंह • करुणा- रामचन्द्र शुक्ल • कुटज- हजारी प्रसाद द्विवेदी					
मॉड्यूल-4	**निबंध एवं निबंधकार-2** • जीने की कला- महादेवी वर्मा • भारत की सांस्कृतिक एकता- रामधारी सिंह **'दिनकर'** • भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई • मेरे राम का मुकुट भींग रहा है- विद्यानिवास मिश्र • भाखा बहता नीर- कुबेरनाथ राय	12	02	01	15	25 %
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

@ प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल प्रारूप	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	समस्या निराकरण कौशल	आई.सी.टी. कौसल	संचार कौसल

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	संदर्भ-ग्रंथ	तिवारी, रामचन्द्र. हिंदी का गद्य साहित्य, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन मिश्र, विश्वनाथ. वाङ्मय विमर्श, वाराणसी, हिंदी साहित्य कुटीर चतुर्वेदी, रामस्वरूप. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, इलाहाबाद, लोकभारती प्रकाशन सिंह, शिव प्रसाद. (सं.) शांतिनिकेतन से शिवालिक, नई दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस तिवारी, रामचन्द्र. हिंदी निबंध और निबंधकार, वाराणसी, विश्वविद्यालय प्रकाशन शुक्ल, हनुमान प्रसाद. कुबेरनाथ राय रचना संचयन, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी
2	ई-संसाधन	1. www.wikipedia.org

		2. www.egyankosh.ac.in 3. www.unishivaji.ac.in 4. www.archive.mu.ac.in 5. www.youtube.com
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08+4=12**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. **कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक**
6. **पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) :** पाश्चात्य काव्यशास्त्र
7. **पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) :** MSHU161
8. **क्रेडिट (Credit) : 4**
9. **सेमेस्टर (Semester) : षष्ठ**

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पाश्चात्य काव्यशास्त्र की सैद्धांतिकी और परंपरा से परिचित कराना है।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा का सम्यक बोध प्राप्त कर सकेंगे।
कौशल / दक्षता संबंधी	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों की सम्यक जानकारी होने से विद्यार्थियों में साहित्य की बेहतर समझ विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	अध्यापन के क्षेत्र में रोज़गार के अवसर सुलभ हो सकेंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• प्लेटो : काव्य संबंधी मान्यताएँ • अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त एवं विरेचन सिद्धान्त • लोंजाइनस : उदात्त सिद्धान्त	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-2	• वर्ड्सवर्थ : काव्यगुण और काव्यभाषा • कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी • क्रोचे : अभिव्यंजनावाद	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-3	• आई ए. रिचर्डस : मूल्य और सम्प्रेषण सिद्धान्त • टी.एस इलियट : निर्वैयक्तिकता का	**12**	02	**1**	15	**25%**

	सिद्धान्त					
मॉड्यूल-4	• अस्तित्ववाद • मार्क्सवाद • संरचनावाद • आधुनिकतावाद	**12**	02	**1**	15	**25%**
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टीआधारित शिक्षण .,शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईपाठशाला .जी.पी., सहायक सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

10. ✓ पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ: (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	अरस्तू का काव्यशास्त्र/अनु. सं. नगेन्द्र/आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली उदात्त के विषय में/अनु. निर्मला जैन/वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली कार्ल मार्क्स : कला एवं साहित्य चिन्तन/सं. नामवर सिंह/राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली काव्य चिन्तन की पश्चिमी परम्परा/निर्मला जैन/वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली नई समीक्षा के प्रतिमान/सं. निर्मला जैन/नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नयी दिल्ली पाश्चात्य काव्यशास्त्र/आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा/नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

		पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास/तारकनाथ बाली/ शब्दकार, नयी दिल्ली पाश्चात्य काव्यशास्त्र/विजय बहादुर सिंह/प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली पाश्चात्य काव्यशास्त्रः इतिहास, सिद्धान्त और वाद/भगीरथ मिश्र/विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रः तुलनात्मक अध्ययन/बच्चन सिंह/हरियाणा साहित्य अकादमी, चंड़ीगढ़ मनोविश्लेषण/सिंगमंड फ्रायड ;अनूदित राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन: इतिहास तथा सिद्धान्त /शिवकुमार मिश्र/मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
2	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन वीडियो एवं व्याख्यान आदि।
3	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

10. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

11. पाठ्यचर्या का नाम (Name of the Course) : हिंदी आलोचना

12. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course) : MSHU162

13. क्रेडिट (Credit) : 4

14. सेमेस्टर (Semester) : षष्ठ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	**48**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**08**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**4**
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी आलोचना के प्रामाणिक इतिहास और उसकी विकास-यात्रा की स्पष्ट समझ विकसित करना है।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	हिंदी साहित्य की समझ के लिए आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।
कौशल / दक्षता संबंधी	साहित्य को जानने-समझने की आलोचनात्मक दृष्टि का विकास कर पाएंगे और अपनी भारतीय संस्कृति और परंपरा के मूल्यवान और प्रगतिशील तत्वों की पहचान करने में समर्थ होंगे।
रोजगार संबंधी	अध्यापक, आलोचक और साहित्य–परिशंसक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course) :

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• हिंदी आलोचना की सामान्य पृष्ठभूमि • महावीर प्रसाद द्विवेदी: आलोचना कर्म • 'कवि और कविता' का विवेचन	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-2	• आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना कर्म • 'तुलसी का भक्तिमार्ग' का विवेचन • आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी: आलोचना कर्म • 'साहित्य में व्यक्ति और समष्टि' का विवेचन	**12**	02	**1**	15	**25%**
मॉड्यूल-3	• आचार्य नंददुलारे बाजपेयी : आलोचना कर्म	**12**	02	**1**	15	**25%**

	• 'छायावाद में अनुभूति और कल्पना' का विवेचन • डॉ नगेंद्र:आलोचना- कर्म 'सौंदर्यानुभूति का स्वरूप' का विवेचन					
मॉड्यूल-4	• डॉ. रामविलास शर्मा : आलोचना कर्म • 'परंपरा का मूल्यांकन' का विवेचन • डॉ नामवर सिंह: आलोचना कर्म • 'इतिहास का नया दृष्टिकोण' का विवेचन	**12**	02	**1**	15	**25%**
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टीआधारित शिक्षण .,शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईपाठशाला .जी.पी., सहायक सामग्री का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

11. ✓पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ: (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	शर्मा, रामविलास, आचार्य रामचंद्र शुक्लऔर हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली शर्मा, रामविलास, परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

		सिंह, नामवर, इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली सिंह, नामवर, रामचंद्र शुक्ल संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली सिंह, शिव प्रसाद (संपादक), शांति निकेतन से शिवालिक चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संपादक) कवि-दृष्टि अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद साही, विजयदेव नारायण, छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद मलयज, रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली जैन, निर्मला, हिंदी आलोचना : बीसवीं शताब्दी, ने.प.हा., नयी दिल्ली त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली तिवारी, रामचंद्र, हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद सिंह, कृष्ण कुमार (संपादक) हिंदी के नामवर, बहुवचन का विशेषांक, म.ग.ह.वि.वि., वर्धा आ. महावीर प्रसाद द्विवेदी, आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा आदि पर साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली द्वारा प्रकाशित विनिबंध (monographs)
2	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन वीडियो एवं व्याख्यान आदि।
3	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for theCourse

1. **पाठ्यचर्या का नाम** (Name of the Course)**: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** (Code of the Course): **MSHU141**
3. **क्रेडिट(Credit): 04**
4. **सेमेस्टर(Semester):** चतुर्थ
5. **पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):** प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष को जानना-समझना है।
6. **अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :**

घटक	**घंटे**
कक्षाऑनलाइन / व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल संवाद कक्षा/	**08**
व्यावहारिकप्रयोगशाला / क्षेत्रकार्य/स्टूडियो	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	इसके तहत भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा के सैद्धांतिक एवं उसके व्यावहारिक पक्षों से जुड़े मुद्दों पर विविध परिचर्चाओं/कार्यशालाओं का आयोजन करके विद्यार्थियों में कौशल विकास का सृजन किया जाएगा।
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थियों में भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा के सिद्धांतों एवं उसके व्यावहारिक पक्षों की समझ बढ़ेगी एवं वे भाषाई बदलाओं को भी जान-समझ सकेंगे।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा की सैद्धांतिकी, तकनीकी पक्षों एवं इससे जुड़े अद्यतन परिवतनों को जानने-समझने से विद्यार्थियों के भाषिक कौशल में अभिवृद्धि होगी।
रोजगार संबधी	भाषा से संबंधित विविध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिल सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण / प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**भाषा : सामान्य परिचय** ● भाषा की परिभाषा ● भाषा की विशेषताएँ ● भाषा-परिवर्तन के कारण	**12**	**02**	**01**	**15**	25%
माड्यूल-2	**भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं संरचना** ● भाषा विज्ञान : अर्थ एवं स्वरूप ● भाषा विज्ञान : ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध ● भाषा विज्ञान के प्रकार	**12**	**02**	**01**	**15**	25%

माड्यूल-3	**भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग** • स्वन विज्ञान • रूप विज्ञान • वाक्य विज्ञान • अर्थ विज्ञान	**12**	**02**	**01**	**15**	25%
माड्यूल-4	**हिंदी भाषा : उद्भव और विकास** • हिंदी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास • हिंदी भाषा के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा) • हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियों का सामान्य परिचय	**12**	**02**	**01**	**15**	25%
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि तथा तुलनात्मक प्रविधि
तकनीक	आई.सीटी आधारित शिक्षण., शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई जी.पी.पाठशाला,सहायक सामग्री का उपयोग,श्यामपट्ट का प्रयोग,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण, प्रोजेक्टर माध्यम का उपयोग
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो कॉपी, वीडियो माध्यम लिंक आदि/

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

12. ✓**-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

13. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीयपत्र-#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र.सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण APA प्रारूप में
1	संदर्भ	तिवारी, भोलानाथ. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास ब्लूमफील्ड. भाषा (अनूदित) तिवारी, उदय नारायण. भाषाशास्त्र की रूपरेखा गुरु, कामता प्रसाद. हिंदी व्याकरण वाजपेयी, किशोरीदास. हिंदी शब्दानुशासन श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम तिवारी, भोलानाथ. भाषा विज्ञान प्रसाद, वासुदेव नन्दन. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना सिंह, सूरजभान. हिंदी का वाकयात्मक व्याकरण शर्मा, देवेन्द्रनाथ. भाषा विज्ञान की भूमिका द्विवेदी, कपिलदेव. भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र
2	ई- संसाधन-	आई.सी.टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपा.जी.पी.ठशाला एवं यूट्यूब द्वारा- ऑनलाइन विडियो एवंव्याख्यान आदि
3	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षाऑनलाइन व्याख्यान/	48
ट्यूटोरियलएवं संवाद कक्षा	08
व्यावहारिकप्रयोगशाला / क्षेत्रकार्य/स्टूडियो	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course)**: भारतीय साहित्य**

3.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **MSHU172**

4.क्रेडिट(Credit): 4

5.सेमेस्टर(Semester): सातवाँ (अनिवार्य)

6.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों की भारतीय साहित्य में रुचि जाग्रत करना एवं उसका प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना है।

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs(Course Learning Outcomes) :

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थी भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा ।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	विद्यार्थी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। भारतीय साहित्य की विधाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्यिक परंपरा से जुड़ सकेगा।
रोजगार संबधी	सम्बंधित विषय में अध्यापन और शोध कार्य की संभावना होगी। साथ ही भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में योगदान दे सकेगा ।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course**)**

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
इकाई -1	**भारतीय साहित्य का स्वरूप और विशेषता** ● भारत की भाषायी, सांस्कृतिक और साहित्यिक स्थिति ● भारतीय साहित्य का स्वरूप ● भारतीय साहित्य का वैशिष्ट्य ● भारतीय साहित्य में एकता के सूत्र ● भाषायी संपर्क या आदान प्रदान	**12**	**02**	**01**	**15**	25%

	• भारतीय साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ • साहित्य का आदान प्रदान					
इकाई -2	**भारतीय कविता** • तमिल: सुब्रह्मण्य भारती – बंदेमातरम • बांग्ला: टैगोर–दुह:समय • मराठी: कुसुमाग्रज-रीढ़ • असमिया :रघुनाथ चौधुरी- गावो एक बार मेरी प्रिय विहंगिनी	**12**	**02**	**01**	**15**	25%
इकाई -3	**भारतीय उपन्यास** • गुजराती : मानवीनी भवाई – पन्ना लाल पटेल • भारतीय उपन्यास का वैशिष्ट्य • पन्ना लाल पटेल का जीवन और रचना संसार • मानवीनी भवाई के कथावस्तु का वैशिष्ट्य • मानवीनी भवाई के चयनित अंश का पाठ विश्लेषण	**12**	**02**	**01**	**15**	25%
इकाई -4	**भारतीय नाटक** • भारतीय नाटक का स्वरूप और वैशिष्ट्य • मराठी : विजय तेंदुलकर - खामोश अदालत जारी है • विजय तेंदुलकर का जीवन और रचना संसार • खामोश अदालत जारी है की कथावस्तु का वैशिष्ट्य • पाठ एवं अभिनेयता • रंगमंचीय दृष्टि से विश्लेषण • खामोश अदालत जारी है	**12**	**02**	**01**	**15**	25%

	का स्त्रीवादी पाठ • खामोश अदालत जारी है का पाठ विश्लेषण					
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग,ई.पी.जी.पाठशाला,सहायक सामाग्री का प्रयोग,श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स,आलेख,पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

14. ✓**-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	राष्ट्रीय कविताएँ एवं पांचाली शपथम/ सुब्रह्मण्यम स्वामी /ग्रन्थ सदन,नई दिल्ली रवींद्र नाथ टैगोर की कविताएँ/ साहित्य अकादमी, नई दिल्ली कुसुमाग्रज की कविता: रीढ़ रघुनाथ चौधुरी - गावो एक बार मेरी प्रिय विहंगिनी मानवीनी भवाई – पन्ना लाल पटेल विजय तेंदुलकर -खामोश अदालत जारी है
2	संदर्भ-ग्रंथ	Das Sisir Kumar . A History of Indian Literature (3Vols.)/ New Delhi Sahitya Akademi Gokak G.K. The Concept of Indian Literature: New Delhi Munshiram Manoharlal, चौधुरी इन्द्रनाथ,तुलनात्मक साहित्य: भारतीय परिप्रेक्ष्य,: नयी दिल्ली वाणी प्रकाशन, द्विवेदी, मीरा.भारतीय साहित्य में एवं कला में श्री राधा वाराणसी कला प्रकाशन 2009 नगेन्द्र.(सं.), तुलनात्मक साहित्य, नयी दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नगेन्द्र.भारतीय साहित्य नई दिल्ली प्रभात प्रकाशन 1999 भारतीय साहित्य: स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ /के. सच्चिदानन्दननयी दिल्ली राजकमल प्रकाशन, रेड्डी, विजयराघव, भारतीय साहित्य विविध परिदृश्य दिल्ली साहित्य सहकार 1999 विंटरनित्ज,एम. प्राचीन भारतीय साहित्य का इतिहास:नयी दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, शर्मा,रामविलास.भारतीय साहित्य की भूमिका. नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1998
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पाठशाला एवंयू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग, श्याम पट्ट, पीपीटी प्रस्तुति आदि

पाठ्यचर्या विवरण

CourseContent

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for theCourse

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	---
कुल क्रेडिटघंटे	60

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

2.पाठ्यचर्याका नाम(Nameof the Course)**: हिंदी पत्रकारिता**

3.पाठ्यचर्याकाकोड(Codeof the Course): **MSHU132**

4.क्रेडिट(Credit): 4

5.सेमेस्टर(Semester): तृतीय

(Description of Course)

इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व को बताने के साथ के उसके इतिहास से परिचित कराना है.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:(Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी हिंदी पत्रकारिता के इतिहास से परिचित होगा.
कौशल/दक्षता संबंधी	हिंदी पत्रकारिता की आवश्यकता और उसके राष्ट्रीय महत्व जान सकेगा.
रोजगार संबंधी	हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिलेगी .

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		* व्याख्यान	* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	* संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**पत्रकारिता** • अर्थ, अवधारणा और महत्व • प्रकार: मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, दृश्य-श्रव्य, वेब पत्रकारिता	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-2	हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा • प्रथम चरण (19वीं शताब्दी) • द्वितीय चरण (20वीं शताब्दी) • तृतीय चरण (21वीं शताब्दी)	12	02	01	15	25%
मॉड्यूल-3	**हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता: स्वतंत्रता पूर्व** • भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता	12	02	01	15	25%

	• द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता • प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता					
मॉड्यूल-4	**हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता: स्वतंत्रता पूर्व** • स्वतंत्र्योत्तर साहित्यक पत्रकारिता • समकालीन पत्रकारिता	12	02	01	15	25%
योग		**48**	**08**	**04**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय

@ प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अधिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल प्रारूप	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशेष कौशल	समस्या निराकरण कौशल	आई.सी.टी. कौसल	संचार कौसल

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
	संदर्भ-ग्रंथ	1. हिंदी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन। 2. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन। 3. हिंदी पत्रकारिता: प्रेमचंद और हंस, रत्नाकर पाण्डेय, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली। 4. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
3	ई-संसाधन	1. www.wikipedia.org 2. www.egyankosh.ac.in 3. www.unishivaji.ac.in 4. www.archive.mu.ac.in 5. www.youtube.com
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण

Course Content

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	4
कौशल विकास गतिविधियाँ	----
कुल क्रेडिट घंटे	60

7. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

8. पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course) : अस्मितावादी साहित्य

9. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):MSHU173

10.क्रेडिट(Credit): 4

4 .सेमेस्टर(Semester) : सातवाँ

5. पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course)**:** पाठ्यचर्या का उद्देश्य साहित्यिक विमर्शों की अवधारणा, आन्दोलन और प्रवृत्तियों से परिचित कराने के साथ उसके महत्व पर प्रकाश डालना है.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी को संवेदनशील बनाने के साथ समता मूलक समाज निर्माण के लिए उन्हें तैयार करना है
कौशल/दक्षता संबंधी	मुख्यधारा के हिंदी साहित्य में हाशिये के वर्ग की चर्चा बहुत कम हुई है , इसलिए यह प्रश्नपत्र समग्रता में हिंदी साहित्य को समझने में सहायक है।
रोजगार संबंधी	इसके अध्ययन से ज्ञान में वृद्धि के साथ अध्यापन तथा अन्य क्षेत्र में रोजगार की प्राप्ति होगी

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		* व्याख्यान	* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अस्मितावाद का सामान्य परिचय अस्मिता का अर्थ अस्मितावादी चिंतन का अभिप्राय एवं उद्देश्य	10	**2**	1	13	**25%**
मॉड्यूल-2	• दलित चिंतन • दलित चिंतन की अवधारणा • दलित आन्दोलन ज्योतिबा फुले रामास्वामी पेरियार शाहूजी महाराज डॉ. बी. आर. आंबेडकर • दलित साहित्य की प्रवृत्तियाँ	13	**2**	**1**	**16**	**25%**
मॉड्यूल-3	स्त्रीवादी चिंतन	13	**2**	**1**	**16**	

	• स्त्री चिंतन की अवधारणा • मुक्ति आन्दोलन • भारतीय, पाश्चात्य • स्त्रीवादी चिंतन के स्कूल • स्त्रीवादी साहित्य की प्रवृत्तियाँ					**25%**
मॉड्यूल-4	आदिवासी चिंतन आदिवासी अस्मिता का अर्थ आदिवासी आन्दोलन आदिवासी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	12	**2**	**1**	**15**	**25%**
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी: * आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय,

@ प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणा	प्रक्रियात्मक ज्ञान	कौशल विकास	उचित मुद्दे की पहचान	नैतिक व्यवहार

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकनकिया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	संदर्भ-ग्रंथ	भारती, कँवल(सं.), दलित विमर्श की भूमिका, नई दिल्ली, साहित्य उपक्रम. बौद्ध, शांति स्वरूप, ज्योतिबा फुले की अमर कहानी, नई दिल्ली, सम्यक प्रकाशन. मालती. डॉ. के.एम., स्त्री विमर्श भारतीय परिपेक्ष्य, नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन. मिल, जॉन स्टुअर्ट, स्त्रियों की पराधीनता (अनु. सक्सेना, प्रगति), दिल्ली, राजकमल प्रकाशन. गुप्ता, रमणिका, स्त्री मुक्ति इतिहास और संघर्ष, नई दिल्ली, सामायिक प्रकाशन. मीणा, गंगा सहाय, आदिवासी साहित्य विमर्श, नई दिल्ली, अनामिका पब्लिशर्स. मीणा, केदार प्रसाद,आदिवासी विद्रोह, नई दिल्ली, अनुज्ञा बुक्स. गुप्ता, रमणिका, आदिवासी लेखन उभरती चेतना, नई दिल्ली, सामायिक प्रकाशन. चौहान, डॉ. अर्जुन, विमर्श के विविध आयाम,नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन. कुमार, राधा. स्त्री संघर्ष का
2	ई-संसाधन	**1. www.wikipedia.org 2. www.egyankosh.ac.in** **3. www.youtube.com 4. https://epgp.inflibnet.ac.in/**
3	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

11. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक

12. पाठ्यचर्याका नाम : कबीर दास विशेष रचनाकार

13. पाठ्यचर्या का कोड: MSHU032

14. क्रेडिट: 4

5. सेमेस्टर: चतुर्थ (ऐच्छिक)

6. पाठ्यचर्या विवरण: प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य पाश्चात्य साहित्य का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य में रुचि जागृति करवाना एवं उसे प्रारम्भिक ज्ञान प्रदान करना है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइनव्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

(Description of Course)

7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	विद्यार्थी कबीर दास की रचनाओं का सामान्य परिचय प्राप्त करेगा।
कौशल / दक्षता संबंधी	विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं के अध्ययनोपरांत सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं से परिचय प्राप्त कर भारतीय साहित्य परंपरा में अपना योगदान से सकेगा।
रोजगार संबंधी	विद्यार्थी संत कबीर दास की रचनाओं के अध्ययन से तादात्म्य स्थापित कर भारतीय एकता को समझते हुये लोकतन्त्र को सुद्रढ करने में अपना योगदान दे सकेगा।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	कबीर का जीवन 1.अंतरसाक्ष्य / अन्तःसाक्ष्य के आधार 2.बहिर्साक्ष्य के आधार रचना संसार 1.कबीर बीजक 1. साखी	**10**	**03**	**02**	**15**	

	2. शबद 3. रमैनी कबीर का दार्शनिक पक्ष कबीर का सामाजिक पक्ष कबीर का योग मठों में कबीर कबीर की भाषा					
मॉड्यूल-2	साखी चयनित **गुरुदेव कौ अंग**, **1**,2,4.9, **10**, **21**,**24**, **26**, **28**, **29**, **32**,	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-3	ज्ञान के अंग बिरह कौ अंग 1,9, उपदेश को अंग 1,2,4,5,6,10 काल कौ अंग 11, 18,	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-4	पद 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9,10	**10**	**03**	**02**	**15**	
मॉड्यूल-5--						
योग		**40**	**12**	**08**	**60**	

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम**,** कक्षागम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि**,** विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई**.**सी**.**टी. आधारित शिक्षण**,**शिक्षा आधारित एप्प का प्रयोग**,** **hindisamaya.com** ई.पी.जी. पाठशाला सहायक सामाग्री

	का प्रयोग, श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोट्स, आलेख, पत्रिका आलेख फोटो प्रति आदि

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	दास, श्याम सुंदर, कबीर ग्रंथावली (2019) नई दिल्ली , तक्षशिला प्रकाशन, 98, ए , हिंदी पार्क दारियागंज
2	संदर्भ-ग्रंथ	द्विवेदी हजारी प्रसाद, कबीर, नई दिल्ली, राधा कृष्ण प्रकाशन, प्राइवेट लिमटेड स्नातक विजेंद्र, (2008) नई दिल्ली, राधा कृष्ण प्रकाशन, प्राइवेट लिमटेड सिंह, डॉ जयदेव, डॉ सिंह वासुदेव , रमैनी (2006), वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन,
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला, **hindisamaya.com** / हिंदी समय.कॉम एवं यूट्यूब द्वारा ऑन लाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक
2. पाठ्यचर्याका नाम:(Name of the Course)विशिष्ट रचनाकार : प्रेमचंद
3.पाठ्यचर्या का कोड: (Code of the Course): MSHU062
4.क्रेडिट: 04(Credit)
5. सेमेस्टर : षष्ठ (Semester)
6. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)**:**प्रेमचंद हिंदी साहित्य में कथा सम्राट के रूप में समादृत हैं. हिंदी कथा साहित्य को दिशा और दृष्टि प्रदान करने में प्रेमचंद का योगदान अप्रतिम है. इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत प्रेमचंद के व्यक्तित्व और उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं के अध्ययन और विश्लेषण की योजना की गयी है। विद्यार्थियों को प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से सम्पूर्णता से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा.
7.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :इस पाठ्यचर्या के अध्यापन के उपरांत

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15+5=20**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	साहित्य विवेक का निर्माण एवं विकास
कुल क्रेडिटघंटे	60

ज्ञानसम्बन्धी	प्रस्तुत पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी को हिंदी के एक बड़े साहित्यकार प्रेमचंद के जीवन, व्यक्तित्व और उनके समय व समाज को प्रामाणिक रूप से जानने-समझने का अवसर प्राप्त होगा।
कौशल/दक्षतासम्बन्धी	कथा साहित्य को जानने-समझने की दृष्टि का विकास कर पाएंगे और प्रेमचंद के कथा सरोकारों और मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे. आज़ादी के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन में प्रेमचंद के माध्यम से हिंदी साहित्य के योगदान को समझ सकेंगे.
रोजगारसंबधी	सर्जनात्मक लेखन और अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

8. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the **Course**)

मॉड्यूलसंख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**बहुआयामी साहित्यकार प्रेमचंद** ●प्रेमचंद का जीवन ●कहानीकार प्रेमचंद ●उपन्यासकार प्रेमचंद ●निबंधकार प्रेमचंद ●पत्रकार प्रेमचंद ●प्रेमचंद का अन्य साहित्य	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-2	**प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएं** ●प्रेमचंद के साहित्य में आदर्श और यथार्थ ●प्रेमचंद के साहित्य में गांधीवाद और राष्ट्रवाद ●प्रेमचंद साहित्य और साम्राज्यवाद ●प्रेमचंद साहित्य और साम्प्रदायिक सद्भाव ● प्रेमचंद का साहित्य और हिंदी आलोचना	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	**प्रेमचंद का साहित्य और सवाल** ● प्रेमचंद साहित्य और किसान-मजदूर प्रश्न ● प्रेमचंद साहित्य और दलित प्रश्न ● प्रेमचंद साहित्य और स्त्री प्रश्न ● प्रेमचंद का साहित्य और	**8**	**3**	**2**	**15**	**25%**

	भाषा के प्रश्न ● प्रेमचंद का साहित्य और अन्य प्रश्न					
मॉड्यूल-4	**व्याख्या एवं आलोचना** निर्धारित पाठ **●कहानियाँ- पूस की रात, ठाकुर का कुआँ, शतरंज के खिलाडी, सवा सेर गेहूँ, ईदगाह, सद्गति, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, नशा, गुल्ली डंडा, बडे भाई साहब** **●उपन्यास- रंगभूमि, कर्मभूमि गबन, प्रेमाश्रम, निर्मला** **●साहित्य का उद्देश्य, मानसिक पराधीनता, स्वराज्य के फायदे, उर्दू, हिंदी, हिंदुस्तानी, बच्चों को स्वाधीन बनाओ, साम्प्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता**	**12**	**3**	2	**15**	**25%**
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

9. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीकएवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, संवाद प्रणाली का प्रयोग , आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान**(Class- Lecture),** समूह चर्चा **(Group-Discussion),** संवाद**(Dialogue)**
तकनीक	दृश्य–श्रव्य माध्यमों का उपयोग (यथावसर) आईसीटीआधारितशिक्षण , श्यामपट्ट का उपयोग ,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण।
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख ,फोटोकोपी आदि।

10. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

11. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा(75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	-	-	-

12.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधारपाठ्य ग्रंथ	मानसरोवर, कर्मभूमि, गबन, निर्मला रंगभूमि, प्रेमाश्रम, प्रेमचंद : कुछ विचार
2	संदर्भ-ग्रंथ	प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी प्रेमचंद और उनका युग- रामविलास शर्मा प्रेमचंद : एक विवेचन- इंद्रनाथ मदान प्रेमचंद और भारतीय किसान- रामबक्ष
3	ई-संसाधन	hindisamay.com, e-pustakalaya.com, www.pustak.org
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

15. कार्यक्रम का नाम (Name of Programme): स्नातक
16. पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): विश्व साहित्य
2. पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course) : MSHU171
3.क्रेडिट(Credit): 04
4. सेमेस्टर(Semester): चतुर्थ
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course**):** हिंदी साहित्य के विद्यार्थी, विश्व की विभिन्न भाषाओं में रची गयी साहित्यिक संपदा से अवगत होने का एक अवसर प्राप्त करेंगे। उन्हें संसार भर की साहित्यिक-सांस्कृतिक विविधता का बोध हो पायेगा। साथ ही वे अपने साहित्यिक ज्ञान-क्षितिज का विस्तार कर पायेंगे और यह सम्यक तरीके से जान पाएंगे कि भाषा और भूगोल भले ही दूसरा हो किंतु 'मनुष्य' के सुख-दुख, आशा-आकांक्षा और कठिनाइयां सब जगह एक समान हैं।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	48
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	4
कौशल विकास गतिविधियाँ	नैतिकता एवँ आध्यात्मिक चेतना का विकास
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs ((Course Learning Outcomes)):
इस पाठ्यचर्या के अध्यापन के उपरांत

ज्ञान सम्बन्धी	विश्व साहित्य से परिचित होकर, विद्यार्थियों को अपने दृष्टि-विस्तार का अवसर मिलेगा। उनका जीवन, समाज और मनुष्यता के प्रति उदार, सहिष्णु और अधिक मानवीय दृष्टिकोण विकसित होगा।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	विद्यार्थी विश्व के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों से परिचित होंगे। विद्यार्थी वैश्विकता की अवधारणा से परिचित हो पाएंगे। विश्व साहित्य और संस्कृति की समझ का विकास होगा।
रोजगार संबधी	विश्व साहित्य / साहित्य के योग्य अध्यापक के रूप मे विकसित होने का अवसर प्राप्त होगा। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के लिए सुयोग्य कार्मिकों के रूप मे राष्ट्र – सेवा का अवसर प्राप्त होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूलसंख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	●विश्व साहित्य : अवधारणा परिचय, ● महत्व , ● विश्व साहित्य का	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	संक्षिप्त इतिहास					
मॉड्यूल-2	●अंग्रेजी स्वछंदतावाद ●वर्ड्सवर्थ और उनकी कविता (प्रभात की शोभा, हैं हम अतिशय लिप्त सदा जग की माया में) ●आधुनिक जर्मन कविता में रिल्के का स्थान ●काव्य वैशिष्ट्य ●रिल्के और उनकी कविता (मेरे बिना तुम प्रभु?, निष्ठा,) ●पाब्लो नेरुदा:कविता का राजनीतिक सरोकार ●पाब्लो नेरुदा और उनकी कविता (पिता,कविधर्म)	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-3	●निकोलाई गोगोल और रूसी कहानी साहित्य ●निकोलाई गोगोल: गरमकोट ●अंतोन चेखव :व्यक्ति और कहानीकार ●अंतोन चेखव :दुख ●फ्रांज काफ्का और जर्मन कहानी साहित्य ●फ्रांज काफ्का : कायांतरण ●लू शुन और चीनी कहानी साहित्य ●लू शुन : आ क्यू की सच्ची कहानी	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**
मॉड्यूल-4	उपन्यास और नाटक: ●अर्नेस्ट हेमिंग्वे : व्यक्ति और उपन्यासकार ●अर्नेस्ट हेमिंग्वे : सागर और बूढ़ा आदमी ●नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त ●बर्तोल्त ब्रेख्त : खड़िया	**12**	**2**	**1**	**15**	**25%**

	का घेरा					
योग		**48**	**8**	**4**	**60**	**100%**

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

8. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अभिगम, संवाद प्रणाली का प्रयोग , आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का उपयोग
विधियाँ	कक्षा व्याख्यान**(Class- Lecture),** समूह चर्चा **(Group-Discussion),** संवाद**(Dialogue)**
तकनीक	दृश्य–श्रव्य माध्यमों का उपयोग (यथावसर) आई सी टी आधारित शिक्षण , श्यामपट्ट का उपयोग ,चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण।
उपादान	कक्षागत नोट्स , आलेख ,फोटोकोपी आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	-	-	-

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ/ संदर्भ-ग्रंथ	उपाध्याय, भगवत शरण्, विश्व साहित्य की रूपरेखा, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली शर्मा, ऋषभदेव, विश्व साहित्य एवं अनुवाद : हिंदी का संदर्भ कुमार अभय, विश्व की श्रेष्ठ कहानियां, अनुकर प्रकाशन सिंह, चंद्रबली (अनुवादक),पावलो नेरूदा कविता संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली Feinstein Adam : Pablo Neruda : A passion for life , Bloomsbury
2	ई-संसाधन	hindisamay.com, kavitakosh.org, hindinews18.com, e-pustakalaya .com, hindi.webdunia.com आदि पर संकलित रचनाकारों से संबन्धित प्रचुर सामग्री है, जिसका उपयोग

		किया जा सकता है।
3	अन्य	'नया प्रतीक' का जर्मन साहित्य पर केंद्रित अंक 'अन्यथा' का अंकसप्तपर्णी, वर्ष-2, अंक-4 (अंतोन चेखव की कहानी दुख का हिंदी अनुवाद, अनुवादक-राजकुमार 'राकेश') उद्भावना का पाबलों नेरुदा अंक

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12+8=20
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	--
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

17. पाठ्यचर्याका नाम (Name of the Course)**: लोक साहित्य**

18. पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): **MSHU174**

19. क्रेडिट(Credit): 4

20. सेमेस्टर(Semester): (अनिवार्य)

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course):प्रस्तुत पाठ्यचर्या द्वारा लोक साहित्य की अवधारणा स्पष्ट होगी और विद्यार्थियों की लोक साहित्य एवं लोक परम्पराओं में रुचि जागृत होगी और विद्यार्थी अपने लोक के साथ जुड़कर उसका सम्यक अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

ज्ञान सम्बन्धी	विद्यार्थी लोक साहित्य का परिचय प्राप्त करेगा । लोक की अवधारणा की समझ विकसित हो सकेगी।
कौशल/दक्षता सम्बन्धी	लोक साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय सामासिक संस्कृति में अपना योगदान दे सकेगा। लोक के विभिन्न रूपों से परिचय प्राप्त कर भारतीय लोक परंपराओं से तादात्म्य स्थापित कर सकेगा।
रोजगार संबधी	लोक साहित्य से जुड़ी अनेक संस्थाओं में अपनी विशेषज्ञता को प्रदर्शित करना. लोक कलाओं के प्रदर्शन से आजीविका के अवसर खुलेंगे और लोक सहित्य के अध्यापन कार्य में देश –विदेश में सहयोग कर सकेगा। लोक साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय राष्ट्रीय एकता को समझते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में योगदान दे सकेगा.

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश** (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..** (Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल-1	**लोक** लोक की अवधारणा, पहचान एवं अर्थ, लोकदृष्टि लोक संस्कृति लोक साहित्य लोक ज्ञान (घाघ, भड्डरी,) साहित्य और लोक का अन्तःसम्बन्ध लोकधर्म-लोक मान्यताएं लोकसाहित्य के अध्ययन की समस्याएं	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**

माड्यूल-2	**लोकगीत** लोकगीत का स्वरूप एवं परिभाषा लोकगीत के तत्व लोकगीत और लोकचेतना लोकगीत और लोकसंवेदना लोकगीतों के विविध रूप उपासना सम्बन्धी गीत संस्कार गीत श्रमगीत त्योहार गीत ऋतुगीत जाति गीत	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
माड्यूल-3	**लोककथा** लोककथा का स्वरूप लोककथा के तत्व व्रत कथा परीकथा लोकगाथा का स्वरूप लोकगाथा के तत्व राजा भरथरी सदावृज सारंगा लोक कहावतें पहेलियाँ	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
माड्यूल-4	**लोकनाट्य** लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा,स्वरूप लोकनाट्य के तत्व लोक नाट्य: संगीत लोक नाट्य: विविध रूप राम लीला रास लीला ख्याल नौटंकी दशावतार विदेसिया तमाशा	**10**	**3**	**2**	**15**	**25%**
योग		**40**	**12**	**8**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:(Approaches,Methods,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग, लोक प्रस्तुति
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण,दृश्य श्रव्य माध्यम
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी, दृश्य श्रव्य माध्यम इत्यादि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

21. ✓-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीयपत्र-#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
2	संदर्भ-ग्रंथ	उपाध्याय डॉ. कृष्ण देव, लोक संस्कृति की रूपरेखा : इलाहबाद, लोकभारती प्रकाशन , उपाध्याय डॉ. कृष्ण देव, लोक साहित्य की भूमिका, इलाहबाद, साहित्य भवन. गौतम, सुरेश.भारतीय लोकसाहित्य कोश नई दिल्ली संजय प्रकाशन 2010 त्यागी, सुरेश चन्द्र. लोक साहित्य त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण 2001.भारतीय लोकनाट्य, नई दिल्ली वाणी प्रकाशन पाण्डेय, कमलनयन.लोकसाहित्य का समाजशास्त्र इलाहाबाद आस्था प्रकाशन 2007 मिश्र, विद्या निवास. लोक और लोक का स्वर , दिल्ली, प्रभात प्रकाशन, मिश्र, विद्या निवास. वाचिक कविता भोजपुरी सिंह, चन्द्रबली. लोक दृष्टि और हिंदी साहित्य. दिल्ली, पीपुल्स लिटरेसी, 1980 द्विवेदी, मनीष कुमार.भारतीय साहित्य एवं कला में दशावतार : वाराणसी कला प्रकाशन 2009
3	ई-संसाधन	आई. सी. टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग,ई.पी.जी. पाठशाला एवंयू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन वीडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग